मई 2013

भारत में रोटावायरस रोग का बोझ

रोटावायरस, शिशुओं और छोटे बच्चों में गंभीर डायरिया और निर्जलीकरण (डीहाइड्रेशन) का सबसे सामान्य और घातक कारण है। यह हर जगह पाया जाता है और दुनिया में लगभग हर बच्चे को संक्रमण का खतरा होता है। हालांकि, ऐसे स्थान जहां पर तत्काल चिकित्सा देखभाल सीमित होती है, वहां पर रोटावायरस की वजह से गंभीर डायरिया और उल्टी के कारण प्राणघातक निर्जलीकरण (डीहाइड्रेशन) हो सकता है।

- हर साल, दुनिया भर में 5 साल से कम आयु के लगभग 453,000 बच्चे रोटावायरस संक्रमण के कारण गंभीर निर्जलीकरण और डायरिया से मर जाते हैं– इनमें से 37 प्रतिशत मौतें डायरिया के कारण होती हैं। सभी देशों की तुलना में भारत में रोटावायरस के कारण मृत्यु दर सबसे अधिक है और दुनिया भर में रोटावायरस से होने वाली अनुमानित मौतों में, केवल भारत की 22 प्रतिशत होती है।[1]

- रोटावायरस हर साल भारत में लगभग 1,00,000 बच्चों की जान लेता है। वर्तमान मृत्यु दर के आधार पर, भारत में 5 वर्ष की उम्र से कम 242 में से लगभग 1 बच्चा रोटावायरस के संक्रमण से मर जाता है। रोटावायरस का सबसे अधिक प्रकोप सबसे कम उम्र के बच्चों पर पड़ता है क्योंकि भारत में 1 और 2 वर्ष की उम्र से कम बच्चों में रोटावायरस से संबंधित मौतों को प्रति ात लगभग क्रमशः 50 और 75 प्रतिशत हैं।[2]

- रोटावायरस की वजह से होने वाली बीमारी का प्रकोप भी बहुत बड़ा है। भारतीय रोटावायरस निरीक्षण नेटवर्क द्वारा एक अध्ययन में यह पाया गया कि 2005 से 2007 तक दो साल की अवधि में रोटावायरस के कारण लगभग 39 प्रतिशत रोगियों ने डायरिया की वजह से अस्पताल में दिखाया।[3] इस डेटा एवं अन्य डेटा के आधार पर रोटावायरस के कारण भारत में हर साल लगभग 457,000 से 884,000 बच्चे अस्पताल में भर्ती हुए हैं और प्रत्येक वर्ष 2 मिलियन भारतीय बच्चे बहिरंग रोगी चिकित्सालय में गए जिसके कारण स्वास्थ्य देखभाल की लागत 2.-0 से 3.-4 बिलियन रुपये (यूएस$ 41 से 72 मिलियन) है।[4]

- ग्लोबल एन्टेरिक बहु– केंद्र अध्ययन (जीईएमएस) 0 से 59 महीने की उम्र के बच्चों में तीव्र डायरिया का एक संभावित और मामला–नियंत्रण अध्ययन है। इसे भारत में राष्ट्रीय कॉलरा और आत्र रोग संस्थान (एनआईसीईडी) कोलकाता सहित अफ्रीका और एशिया में सात स्थलों पर आयोजित किया जा रहा है। डेटा का विश्लेषण राष्ट्रीय स्तर पर चल रहा है, लेकिन प्रारंभिक जीईएमएस डेटा से यह पता चलता है कि एनआईसीईडी अध्ययन स्थल पर डायरिया के मामलों की सबसे बड़ी संख्या के लिए रोटावायरस जिम्मेदार है।[5]

Excess risk of infection of causative organisms from Indian site of diarrhoeal disease burden study[5]

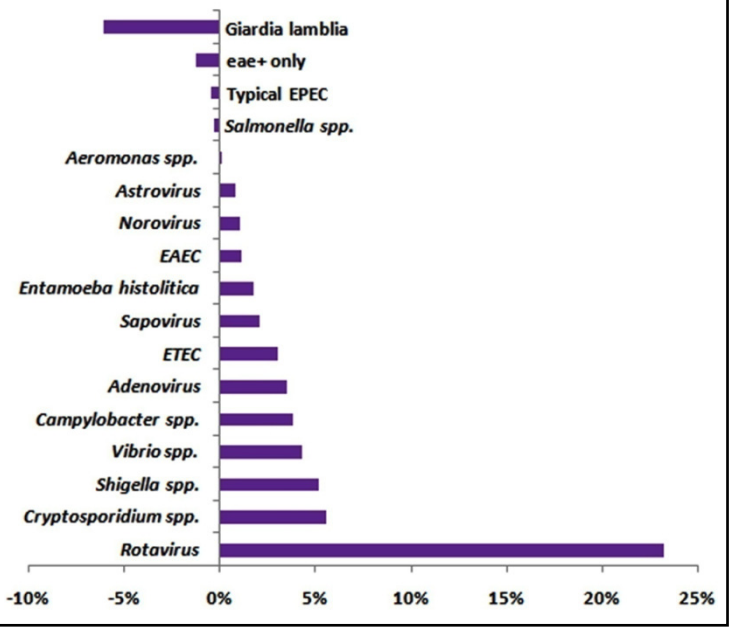

###

यह दस्तावेज़ अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलगु, और मराठी भाषा में इस पते पर ऑनलाइन उपलब्ध हैः

http://www.defeatdd.org/rotavac-clinical-trial-results

डीबीटी वेबसाइटः http://dbtindia.nic.in
भारत बायोटेक वेबसाइटः http://www.bharatbiotech.com

मीडिया संपर्कः

डीबीटी के लिएः
डॉ. टी.एस.राव, +91 (98) 7348-3538, tsrao@dbt.nic.in

भारत बायोटेक के लिएः
शीला पणिक्कर, एनराइट पीआर, +91 98498 09594, Sheela@enrightpr.com
मुरलीधरन, एनराइट पीआर, +91 98851 09594, Murali@enrightpr.com

पाथ के लिए (और यूएस एनआईएच एवं सीडीसी के विशेषज्ञों तक पहुँचने के लिए)
सुष्मिता मालवीय, +91 (97) 1724-3131, smalaviya@path.org

वैश्विक मीडिया संपर्क कर सकते हैंः
गिलर्मो मेनेसीस, जीएमएमबी, +1-202-445-1570, Guillermo.Meneses@gmmb.com
एलीसन क्लिफर्ड, पाथ, +1-202-669-7238, aclifford@path.org

---

[1] Tate JE, Burton AH, Boschi-Pinto C, Steele AD, Duque J, Parashar UD. 2008 Estimate of Worldwide Rotavirus-Associated Mortality in Children Younger than 5 Years Before the Introduction of Universal Rotavirus Vaccination Programmes: A Systematic Review and Meta-analysis. *The Lancet Infectious Diseases*. 2012;12(2):136-141.

[2] Morris SK, Awasthi S, Khera A, et al.Rotavirus Mortality in India: Estimates Based on a Nationally Representative Survey of Diarrhoeal Deaths. *Bulletin of the World Health Organization.* 2012;90:720-727.

[3] Kang G, Arora R, Chitambar SD, et al. Multicenter, Hospital-Based Surveillance of Rotavirus Disease and Strains Among Indian Children Aged <5 Years. *Journal of Infectious Diseases*. 2009;200(Supplement 1):S147-S153.

[4] Tate JE, Chitambar S, Esposito DH, et al. Disease and Economic Burden of Rotavirus Diarrhoea in India. *Vaccine*. 2009;27(Supplement 5):F18-F24.

[5] Sur D. Global Enteric Multicentric Study (GEMS): Kolkata Site. Presented at: 57th All India Conference of the Indian Public Health Association, February 2013; Kolkata, India.